SUCCESS STORY OF EXTENSION ACTIVITIRES DONE BY DEPARTMENT OF HORTICULTURE

On the occasion of 50th year of the university establishment (Golden Jubilee Year), under the leadership, supervision and motivational direction of Prof. Annapurna Nautiyal, the Vice Chancellor of Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal Central University, the Department of Horticulture were organized two important events with an aim to create interest in horticulture sector among students and rural women and to enhance their entrepreneurial skill and also in the interest of horticulture development in the state.

1. TRAINING PROGRAMMES FOR WOMEN

The Department of Horticulture has conducted numbers of trainings/ workshops in the past years in which more than 1000 rural women farmers from different villages of districts Tehri, Pauri and Chamoli participated and got benefitted.

Apart from giving hands-on training and making the farmers aware of the different scientific methods of horticultural techniques, they were also provided with high quality vegetable and horticultural plants during the workshop.

2. LAUNCH OF "HNBGU FRESH"

*A novel initiative named **"HNBGU FRESH"** was started by students and faculty members of Department of Horticulture, HNB Garhwal University, Srinagar (Garhwal) to launched their horticultural research farm fresh and other processed products with the brand name **"HNBGU FRESH".***

*The aim of this novel concept was, to showcase farm fresh as well as processed products (Fruits, vegetables, flowers, their seedlings and other processed products) of the department (which were prepare by UG final year students) with the brand name **"HNBGU FRESH"** to costumers for providing plant derived quality fresh/processed foods. In addition to this the main objectives for the launched of **HNBGU FRESH** are:*

- *To promote professional skills and knowledge through meaningful hands-on experience.*
- *To build confidence and to work in business/project mode.*
- *To acquire enterprise management capabilities.*
- *To create awareness and promotion of horticulture in nearby areas.*

IMPACT OF PROGRAMMES

These programmes have been running very successfully since 2022 for the farmers and students, given the opportunity to develop their own horticulture produce. These extension-based programmes have encouraged individuals to start small horti-based industries of their own. From the inception of these programmes, these initiatives have been proved to a resounding success for Horticulture department. Imparting knowledge in the various aspects of horticulture; from propagation to marketing is very

important especially for the farmers and students because horticulture shows the vast potential that it holds to provide employment to the majority of population of India along with opening a door for entrepreneurship development.

IMPORTANCE FOR STUDENTS

This is a step forward for ***"Earn while Learn"*** *concept. This programme with business mode helps the students to develop competence, capability, capacity building, acquiring skills, expertise, and confidence to start their own enterprise and turn job creators instead of job seekers. This is an important idea for high quality professional competence and practical work experience in real life situation to Graduates.*

Such kinds of initiatives with entrepreneurial orientation of production and production to consumption pattern is expected to facilitate producing Job Providers rather than Job Seekers. It provides the students an excellent opportunity to develop entrepreneurial skills, and knowledge through hands-on experience, confidence in their ability to design and execute project work.

IMPORTANCE FOR FARMERS

The aim of the programme was to educate farmers and entrepreneurs in the principle of Learning by doing or seeing is believing so that the farmers can be replicate by them at their own places. The technical knowhow on various aspects of horticulture (from production to post-harvest management) are showcased to the farmers under the expert guidance of the young and energetic faculty members of the department.

CONTRIBUTION AND ENABLING FACTORS

Contributions and efforts done by the university authorities especially Hon'ble Vice-chancellor of the university, faculties and students of the department of horticulture, the dedication and hard work for the success of HNBGU FRESH is enormous and appreciable. They worked efficiently in the field and in the department which lead the successful launched of this brand.

LESSONS LEARNT

Initially both programmes were departmental programmes but after successful launch of these programme, gains more popularity among the students and farmers. The numbers of farmers and students trained and benefited by these programmes, from the inception of this programme, it has been a persistent journey for the department of horticulture to take up various farm-based activities for needy farmers and students of Horticulture with an approach to enhance their entrepreneurial skill and also in the interest of horticulture development in the state and nation also.

Farmers awareness and training programme at horticulture department

Distribution of seed and planting material to farmers during training programme

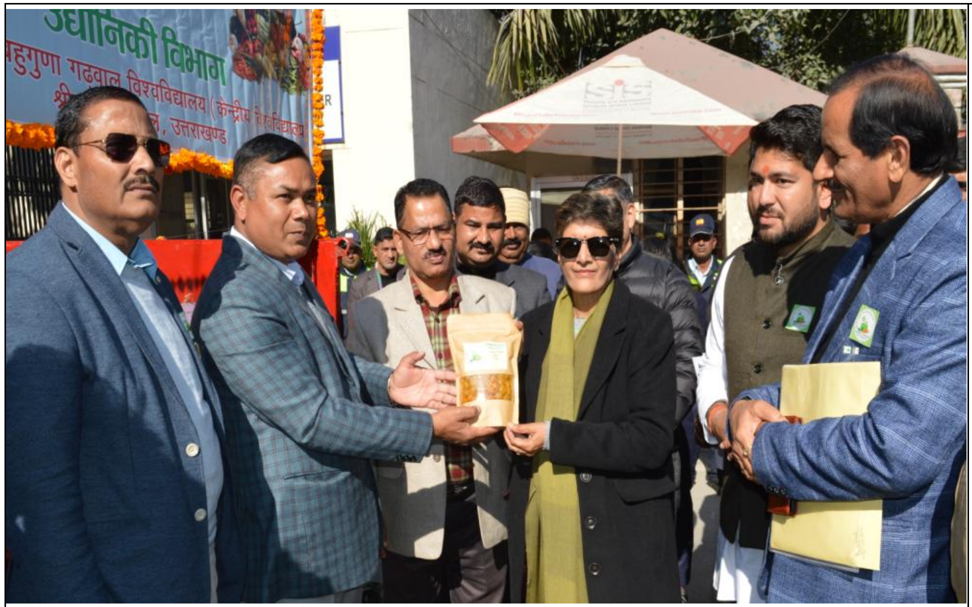

Launch of HNBGU FRESH by Hon’ble Vice chancellor of the University

Mass scale production of quality horticultural plants for sale

Preparation of value-added products from local farm produce

बागवानी के विस्तार एवं विकास में महिलाओं की विशेष भूमिका: वीसी

■ गढ़वाल विवि में कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढवाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान संकाय चौरास परिसर द्वारा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तराखंड सरकार की एचएमईएच परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जाखणीधार, प्रतापनगर एवं कीर्तिनगर के विभिन्न गांवों की 60 से अधिक महिला काश्तकारों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने काश्तकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में बागवानी के विस्तार एवं विकास में महिलाओं की विशेष भूमिका रही है। विश्वविद्यालय का उद्यानिकी विभाग बागवानी के क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं को बागवानी की नवीनतम विधियों का समय-समय पर प्रशिक्षण देगा। जिससे काश्तकार अपनी आजीविका में वृद्धि कर पाएंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं प्रगतिशील काश्तकार सुखदेव पंत ने उद्यान विभाग द्वारा काश्तकारों के हित में चलाए जा रहें प्रसार कार्यों की प्रशंसा करते हुए राज्य के समग्र कृषि विकास के लिए एकजुटता के साथ काम करने पर जोर दिया। ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, प्रो. आरएस नेगी एवं वानिकी एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आरसी सुन्द्रियाल ने बताया कि कृषि एवं संबद्ध संकाय के सभी शिक्षक एवं वैज्ञानिक देश एवं प्रदेश में कृषि की खुशबू फैलाने और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कृषक समुदाय को मजबूत बनाने के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण किया गया एवं काश्तकारों को उच्च गुणवत्ता के बीज एवं शोभाकार पौधे एवं प्रमाण पत्र वित. रित किए गए। इस मौके पर उद्यानिकी विभागाध्यक्ष डा. डीके राणा, कार्यशाला संयोजक एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. तेजपाल सिंह बिष्ट, डा. मुनीष कुमार, डा. केएन शाह, डॉ. विवेक, डॉ. तनुजा, सन्त कुमार, शील बायोटेक से आये अधिकारियों एवं उद्यानिकी विभाग के शोधार्थी ने भी प्रतिभाग किया।

ग्रामीण महिलाओं को बागवानी का दिया प्रशिक्षण

• उच्च गुणवत्ता के बीज एवं शोभाकार पौधे किए गए वितरित

भास्कर समाचार सेवा

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के दिशा निर्देशन में प्रदेश मे बागवानी के सर्वांगीण विकास एवं ग्रामीण महिलाओं में बागवानी के प्रति रुचि के साथ-साथ काश्तकारों की आजीविका वृद्धि हेतु एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। मंगलवार को उद्यानिकी विभाग, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान संकाय चौरास परिसर द्वारा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तराखंड सरकार की एचएमईएच परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि कुलपति, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढवाल की प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल एवं विशिष्ट अतिथि सुखदेव पंत एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया।

ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देती प्रो . अन्नपूर्णा नौटियाल।

कार्यशाला में जाखनीधार, प्रतापनगर एवं कीर्तिनगर विकासखंड के विभिन्न ग्रामों की 60 से अधिक ग्रामीण महिला काश्तकारों ने प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. नौटियाल ने कहा कि राज्य में बागवानी के विस्तार एवं विकास में महिलाओं की विशेष भूमिका रही है। विश्वविद्यालय का उद्यानिकी विभाग बागवानी के क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं को बागवानी की नवीनतम विधियों का समय-समय पर प्रशिक्षण देगा, जिससे काश्तकार अपनी आजीविका में वृद्धि कर पाएंगे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया एवं काश्तकारों को उच्च गुणवत्ता के बीज एवं शोभाकार पौधे एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान डॉ. मुनीष कुमार, डॉ. केएन शाह, डॉ. विवेक, डॉ. तनुजा, संत कुमार, शील बायोटेक से आये अधिकारियों एवं उद्यानिकी विभाग के शोधार्थियों ने भी प्रतिभाग किया।

NEWS coverage of training programme covered by various daily national NEWS papers

किसानों को जैविक विधि से सब्जी उत्पादन का प्रशिक्षण दिया

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित उद्यान शोध केंद्र में कीर्तिनगर विकासखंड के विभिन्न गांवों से आए 50 से अधिक किसानों को जैविक विधि से सब्जी उत्पादन को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। सील बायोटेक लिमिटेड नई दिल्ली और उद्यान विभाग टिहरी गढ़वाल के सहयोग से 50 से अधिक किसानों को विवि उद्यान विभाग के विभिन्न केंद्रों और उद्यान शोध केंद्र में भ्रमण कराया गया। किसानों को सब्जी और उद्यान फसलों के उत्पादन की विभिन्न तकनीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। गढ़वाल केंद्रीय विवि के उद्यान विभाग के अध्यक्ष डा. डीके राणा ने काश्तकारों को जैविक विधि से होने वाले सब्जी उत्पादन के लाभों और उनके तरीकों के बारे में बताया। विवि उद्यानिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. तेजपाल सिंह बिष्ट ने बागवानी फसलों के गुर सिखाए।

प्रशिक्षण से किसानों को मिलेगा लाभः प्रो. भट्ट

श्रीनगर, संवाददाता। एचएनबी गढ़वाल के चौरास परिसर में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विवि के उद्यानिकी, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान संकाय, खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तराखंड की एचएमईएच परियोजना के तहत कृषकों को प्रशिक्षण देने के साथ बीज वितरण किये गये।

विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के दिशा निर्देशन में अयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रति कुलपति प्रो.आरसी भट्ट ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्यानिकी विभाग बागवानी के क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं को बागवानी की नवीनतम विधियों का समय - समय पर प्रशिक्षण देगा जिससे काश्तकार अपनी आजीविका में वृद्धि कर पाएंगे । शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक, प्रोफेसर एमसी नौटियाल ने उद्यान विभाग द्वारा काश्तकारों के हित में चलाए जा रहे प्रसार कार्यों की प्रशंसा करते हुए राज्य के समग्र कृषि विकास के लिए एकजुटता के साथ काम करने के पर जोर दिया।

NEWS coverage of training programme covered by various daily national NEWS papers

‘एचएनबीजीयू फ्रेश’ नाम से मिलेंगे विवि के उत्पाद

उद्यानिकी विभाग कर रहा हैं सब्जियों व फलों का उत्पादन

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ‘एचएनबीजीयू फ्रेश’ नाम से अपने उत्पाद का प्रचार प्रसार करेगा। इसकी शुरुआत उद्यानिकी विभाग में अचार, जूस और सब्जियों से हो रही है। बुधवार को कुलपति ब्रांड को लांच करेंगी।

वर्तमान में गढ़वाल विवि का उद्यानिकी विभाग अपनी नर्सरी में ताजी सब्जियों सहित फल और फूलों का उत्पादन करता है। उद्यानिकी छात्र-छात्राओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण के तहत इनके उत्पादन और बिक्री की जिम्मेदारी दी जाती है लेकिन अभी यह उत्पाद बिना किसी ब्रांड के बिकते हैं।

विवि का अपनी ब्रांडिंग हो इसे देखते हुए कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने ब्रांड नाम तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसी के अनुपालन में विवि का उद्यानिकी विभाग ने एचएनबीजीयू फ्रेश ब्रांड नाम तैयार किया है।

खास खबर

उद्यानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक राणा ने बताया कि नर्सरी में बड़े पैमाने पर अलग-अलग प्रजाति के आंवले होते हैं। इनको लोग खरीद कर ले जाते हैं लेकिन अब इन आंवलों का विभाग की खाद्य प्रसंस्करण लैब में अचार और जूस निकाला गया है। इनको विवि बेचेगा। यह उत्पाद बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा नर्सरी में हरी सब्जी, पत्ता-फूलगोभी आदि सब्जियों की पौध उगाई गई है। डॉ. राणा ने बताया कि बागवानी के प्रति लोगों को जागरूक करने, ताजा उत्पाद उपलब्ध कराने और छात्र-छात्राओं को औद्योगिक ज्ञान देने के मकसद से ब्रांडिंग की गई है।

खास बात यह है कि उत्पाद तैयार करने से लेकर मार्केटिंग तक सारा काम छात्र-छात्राएं ही करेंगे।

किसानों से किया जैविक खेती बढ़ाने का आह्वान

गढ़वाल केंद्रीय विवि के उद्यानिकी विभाग ने जैविक खेती को लेकर कार्यशाला आयोजित की

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग की ओर से जैविक खेती और बागवानी को लेकर ग्रामीण काश्तकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के मार्गदर्शन में हुई इस कार्यशाला में देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 50 से अधिक काश्तकारों ने विवि उद्यानिकी विभाग के विशेषज्ञों से जैविक बागवानी के गुर सीखे। प्रशिक्षण कार्यशाला में महिलाओं की संख्या अधिक थी। सभी प्रशिक्षित किसानों को गढ़वाल केंद्रीय विवि उद्यानिकी विभाग की ओर से कृषि विज्ञान संकाय के डीन प्रो. जेएस चौहान ने प्रमाणपत्र वितरित करने के साथ ही उन्हें उत्तम गुणवत्ता के बीज और पौध भी वितरित किए।

उद्यानिकी विभाग की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में महिला किसान को प्रमाणपत्र और विभिन्न फलो के बीज प्रदान करते विवि कृषि संकाय के डीन प्रो. जेएस चौहान। मध्य मे गढ़वाल विवि उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष डा. डीके राणा ● जागरण

गढ़वाल विवि कृषि विज्ञान संकाय के डीन प्रो. जेएस चौहान ने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देना हम सबका प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जैव रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मनीषा निगम ने कहा कि जैविक खेती से हम कई बीमारियों को दूर रखने में सफल रहते हैं। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के निर्देशन में उद्यानिकी विभाग शोध कार्यों को सीधे खेतों और उद्यानों से भी जोड़ रहा है। कार्यशाला संयोजक और उद्यानिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. तेजपाल सिंह बिष्ट ने वैज्ञानिक पद्धति से बागवानी करने और जैविक खेती से होने वाले लाभों के बारे में बताया। डा. नसरुद्दीन शाह और डा. विवेक ने सफल नर्सरी उत्पादन के बारे में काश्तकारों को बताया। गांवों से आए काश्तकारों ने बागवानी और खेती को लेकर आने वाली विभिन्न समस्याओं को भी रखा, जिसका समुचित समाधान उद्यानिकी विभाग के विज्ञानियों की ओर से किया गया। सील बायोटेक लिमिटेड से आए अधिकारियों ने भी कार्यशाला में प्रतिभाग किया। डा. केएन शाह, डा. विवेक, संत कुमार के साथ ही विवि उद्यानिकी विभाग के शोधार्थी भी मौजूद थे।

NEWS coverage of training programme covered by various daily national NEWS papers